



Anubhav



Gunjan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120607703

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

दनईअ का वर्ग गरुड़ है तथा लनदरंद का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार दनईअ और लनदरंद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

दनईअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।
लनदरंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।
क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि लनदरंद की कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

दनईअ तथा लनदरंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com